Step-by-Step हिंदी गाइड

ITR खुद भरें 2027

नए Income-tax Act, 2025 के साथ — Tax Year 2026–27 की return, ITR-1 और ITR-4, आसान हिंदी में



Anoop Gupta

ITR खुद भरें 2027

नए Income-tax Act, 2025 के साथ — Tax Year 2026–27 की return, ITR-1 और ITR-4, आसान हिंदी में

लेखक: Anoop Gupta

कॉपीराइट

© 2026 Anoop Gupta। सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक का कोई भी भाग लेखक की लिखित अनुमति के बिना किसी भी रूप में पुनः प्रकाशित, संग्रहीत या प्रसारित नहीं किया जा सकता, सिवाय समीक्षा में छोटे उद्धरणों के।

प्रथम संस्करण: 2026

अस्वीकरण

यह किताब केवल सामान्य जानकारी और शिक्षा के लिए है। यह tax, कानूनी या वित्तीय सलाह नहीं है। लेखक का Income Tax Department या भारत सरकार से कोई संबंध नहीं है। नियम, forms और portal समय-समय पर बदलते हैं; return भरने से पहले incometax.gov.in पर ताज़ा जानकारी देखें और ज़रूरत हो तो किसी योग्य Chartered Accountant से सलाह लें। सभी उदाहरणों के नाम और आँकड़े काल्पनिक हैं।

इस किताब का उपयोग कैसे करें

हर अध्याय एक ही ढाँचे में है: पहले बात समझाई गई है, फिर काल्पनिक उदाहरण, फिर portal के क्रमवार steps, फिर तालिकाएँ — आम गलतियाँ और "अगर कुछ गलत हो जाए तो?"। अंत में छोटे सवाल-जवाब और एक checklist है। Checklist पर निशान लगाते चलें; काम अपने आप व्यवस्थित हो जाएगा।

विषय-सूची

- अध्याय 1: Income Tax और ITR को समझें
- अध्याय 2: ITR भरने से पहले जरूरी तैयारी
- अध्याय 3: Income Tax e-Filing Portal पर शुरुआत
- अध्याय 4: अपनी Income और Tax Regime समझें
- अध्याय 5: ITR-1 किसके लिए है?
- अध्याय 6: ITR-1 (सहज) खुद भरें — Step-by-Step
- अध्याय 7: ITR-4 किसके लिए है?
- अध्याय 8: ITR-4 भरने की Step-by-Step प्रक्रिया
- अध्याय 9: AIS, TIS और Form 26AS की जाँच
- अध्याय 10: Deductions, TDS और Tax Calculation
- अध्याय 11: Bank Details और Refund
- अध्याय 12: Return Submit और e-Verify कैसे करें
- अध्याय 13: ITR में गलतियाँ और उनका सुधार
- अध्याय 14: ITR Status, Refund Status और Notices
- अध्याय 15: Complete Practice Project और Final Checklist

अध्याय 1: Income Tax और ITR को समझें

परिचय

अगर आप नौकरी करते हैं, छोटा business चलाते हैं या अपनी कमाई पर Income Tax से जुड़ी जिम्मेदारियाँ समझना चाहते हैं, तो यह किताब आपके लिए है।

बहुत से लोग Income Tax Return (ITR) का नाम सुनकर घबरा जाते हैं। उन्हें लगता है कि ITR भरने के लिए accountant की जरूरत होगी या tax portal पर काम करना बहुत मुश्किल होगा। वास्तव में, सही documents, सावधानी और step-by-step जानकारी की मदद से कई लोग अपना ITR खुद भर सकते हैं।

इस किताब में हम आसान हिंदी में समझेंगे कि ITR क्या है, कौन-से documents तैयार करने हैं, Income Tax की official website पर कैसे काम करना है और return submit करने के बाद किन बातों का ध्यान रखना है।

ध्यान रखें: ITR भरना और tax जमा करना अलग-अलग बातें हैं। कुछ लोगों को tax देना पड़ सकता है, कुछ का tax पहले ही TDS के रूप में कट चुका होता है और कुछ मामलों में refund बन सकता है। सही स्थिति आपकी income, लागू tax rules और उपलब्ध records पर निर्भर करती है।

Step 1: Income Tax क्या होता है?

Income Tax वह tax है जो कानून के अनुसार किसी व्यक्ति या संस्था की taxable income पर लागू हो सकता है।

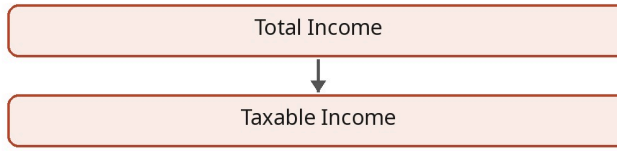
उदाहरण के लिए, आपकी income इन स्रोतों से हो सकती है:

- नौकरी से Salary
- Bank account या FD से Interest
- मकान किराये पर देने से Rental Income
- Business या Profession से कमाई
- अन्य taxable income

हर प्रकार की income पर एक जैसा tax treatment नहीं होता। कुछ income पर अलग नियम लागू हो सकते हैं, कुछ deductions या exemptions उपलब्ध हो सकती हैं और कुछ मामलों में विशेष शर्तें होती हैं।

उदाहरण: मान लीजिए, राहुल एक कंपनी में नौकरी करते हैं। उन्हें हर महीने salary मिलती है और उनके bank account में interest भी मिलता है। ITR भरते समय उन्हें अपनी salary के साथ अन्य संबंधित income और tax records की भी जाँच करनी चाहिए।

मुख्य बिंदु: Total Income



चित्र 1.1: मुख्य बिंदु: Total Income

Step 2: ITR क्या है?

ITR का पूरा नाम Income Tax Return है। यह वह return है जिसके माध्यम से आप Income Tax Department को अपनी income, लागू deductions, tax calculation और tax payment या TDS से संबंधित जानकारी देते हैं।

ITR भरने का अर्थ हमेशा यह नहीं होता कि आपको अतिरिक्त tax जमा करना ही पड़ेगा। आपकी स्थिति के अनुसार:

अतिरिक्त tax देय हो सकता है।

पहले से जमा tax या TDS पर्याप्त हो सकता है।

नियमों और records के अनुसार refund बन सकता है।

कुछ परिस्थितियों में ITR दाखिल करना जरूरी हो सकता है, जबकि अन्य मामलों में यह वैकल्पिक हो सकता है।

ITR के अलग-अलग forms होते हैं। कौन-सा form आपके लिए सही है, यह आपकी income के प्रकार, taxpayer की category और उस वर्ष लागू eligibility conditions पर निर्भर करता है।

इस किताब में हम मुख्य रूप से ITR-1 और ITR-4 को समझेंगे। लेकिन इन्हें हर taxpayer के लिए उपयुक्त नहीं मानना चाहिए। Form चुनने से पहले संबंधित Assessment Year के official instructions जाँचना जरूरी है।

Step 3: Financial Year और Assessment Year का अंतर समझें

ITR भरते समय Financial Year (FY) और Assessment Year (AY) का अंतर समझना बहुत जरूरी है।

Financial Year (FY): वह अवधि जिसमें income अर्जित की जाती है।

Assessment Year (AY): सामान्य व्यवस्था में वह वर्ष जिसमें पिछले Financial Year की income के लिए tax return दाखिल और assess किया जाता है।

उदाहरण के लिए:

विवरण	वर्ष
Financial Year	2026–27
Assessment Year	2027–28

इसका मतलब है कि FY 2026–27 के दौरान अर्जित income के लिए सामान्यतः Tax Year 2026–27 से संबंधित ITR प्रक्रिया देखी जाएगी।

हालाँकि, सही form, लागू कानून, filing deadline और अन्य शर्तों को उस Assessment Year के official instructions से verify करना चाहिए।

क्रम: 1 अप्रैल 2026 — FY शुरू



चित्र 1.2: क्रम: 1 अप्रैल 2026 — FY शुरू

Step 4: समझें कि ITR क्यों भरा जाता है

ITR दाखिल करने के कई कारण हो सकते हैं। आपके मामले में कौन-सा कारण लागू होता है, यह आपकी परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।

Tax compliance: जब कानून के अनुसार return दाखिल करना जरूरी हो।

Refund claim: जब records और लागू नियमों के अनुसार अतिरिक्त tax वापस मिलने की स्थिति हो।

Income record: अपनी घोषित income का आधिकारिक record रखना।

Financial documentation: बैंक या अन्य संस्थान कभी-कभी financial assessment के लिए ITR documents माँग सकते हैं। उनकी अपनी requirements हो सकती हैं।

Income reconciliation: अपनी salary, interest, TDS और अन्य संबंधित financial records की जाँच करना।

याद रखें, ITR दाखिल करने से loan, visa या refund की मंजूरी अपने-आप सुनिश्चित नहीं होती। संबंधित संस्था या विभाग अपने नियमों के अनुसार निर्णय लेता है।

Step 5: जानें कि ITR दाखिल करना जरूरी है या नहीं

हर व्यक्ति के लिए एक ही नियम लागू नहीं होता। ITR दाखिल करने की जरूरत आपकी income, taxpayer category, लागू tax provisions और अन्य परिस्थितियों पर निर्भर करती है।

यह जाँचते समय इन बातों पर ध्यान दें:

आपकी कुल income कितनी है?

आपकी income किस-किस स्रोत से आती है?

कौन-सा tax regime लागू या चुना गया है?

क्या कोई विशेष कानूनी शर्त आपकी स्थिति पर लागू होती है?

क्या आपको refund claim करना है?

क्या आप पर किसी अन्य कारण से return दाखिल करने की शर्त लागू होती है?

महत्वपूर्ण: केवल यह देखकर फैसला न करें कि आपकी salary कम है या employer ने TDS काट लिया है। कुछ परिस्थितियों में इन बातों के बावजूद return दाखिल करने की जरूरत हो सकती है।

- Official website: Income Tax Department e-Filing Portal

Step 6: अपनी स्थिति के अनुसार सही ITR form पहचानें

सही ITR form चुनना return भरने के सबसे महत्वपूर्ण चरणों में से एक है।

इस किताब में दो forms पर विशेष ध्यान दिया जाएगा:

ITR-1: यह कुछ पात्र व्यक्तियों के लिए होता है, जिनकी income और अन्य परिस्थितियाँ उस Assessment Year की ITR-1 eligibility conditions में आती हैं।

ITR-4: यह कुछ पात्र व्यक्तियों और presumptive taxation से संबंधित निर्धारित शर्तें पूरी करने वाले मामलों के लिए उपलब्ध हो सकता है।

इन दोनों forms की eligibility एक जैसी नहीं है। आपकी income के प्रकार, business या profession, अन्य assets या income और संबंधित वर्ष के नियमों के आधार पर कोई दूसरा form जरूरी हो सकता है।

Form चुनने से पहले संबंधित वर्ष की official instructions पढ़ें। केवल इस कारण ITR-1 या ITR-4 न चुनें कि वह भरने में आसान लगता है।

Step 7: ITR भरने से पहले अपना लक्ष्य तय करें

Return भरना शुरू करने से पहले यह स्पष्ट करें कि आपको क्या करना है।

अपनी income और tax records की जाँच करनी है।

अपनी eligibility के अनुसार सही ITR form चुनना है।

लागू tax की गणना करनी है।

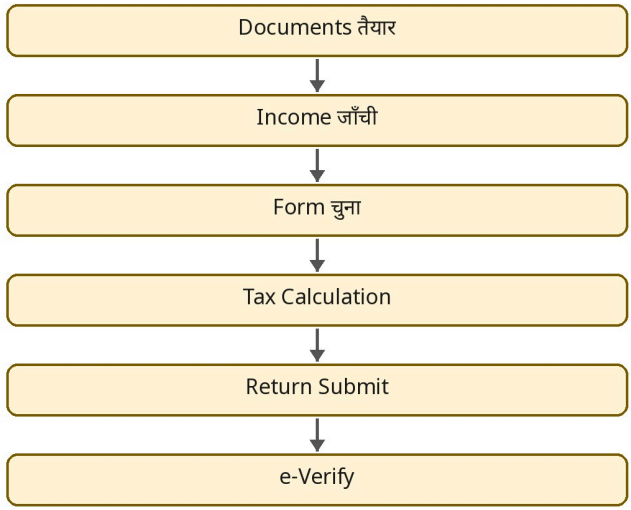
यदि कोई tax देय है, तो सही प्रक्रिया से उसका भुगतान करना है।

Return submit करके आवश्यक e-Verification पूरी करनी है।

बाद में return और refund status देखना है, यदि लागू हो।

एक बार में सभी काम करने के बजाय उन्हें अलग-अलग चरणों में पूरा करना आसान रहता है।

मुख्य बिंदु: Documents तैयार



चित्र 1.3: मुख्य बिंदु: Documents तैयार

Common Mistakes

इन गलतियों से बचें

FY और AY को एक ही वर्ष समझ लेना।

यह मान लेना कि TDS कटने के बाद ITR भरने की जरूरत नहीं है।

अपनी eligibility जाँचे बिना ITR-1 या ITR-4 चुन लेना।

केवल salary देखना और दूसरी income की जाँच न करना।

किसी अनजान link पर PAN, password या OTP डालना।

पुराने tax rules या deadlines को बिना verify किए इस्तेमाल करना।

Quick Tip

एक नियम याद रखें: पहले documents और income की जाँच करें, फिर सही ITR form चुनें और उसके बाद return भरना शुरू करें।

Official जानकारी के लिए हमेशा Income Tax Department की website का इस्तेमाल करें। अपना password या OTP किसी के साथ साझा न करें।

अध्याय 1 का सारांश

Income Tax, लागू नियमों के अनुसार taxable income पर लग सकता है।

ITR के माध्यम से income और tax से संबंधित जानकारी जमा की जाती है।

Financial Year और Assessment Year अलग-अलग होते हैं।

सही ITR form आपकी income और eligibility पर निर्भर करता है।

विस्तार से: उदाहरण, तालिकाएँ और अभ्यास

हर साल लाखों लोग ITR भरते हैं, पर 2026–27 का साल अलग है। 1 अप्रैल 2026 से भारत में नया Income-tax Act, 2025 लागू हो गया है। इसने 1961 के पुराने कानून की जगह ली है। अच्छी खबर यह है कि आम taxpayer के लिए tax की दरें, due dates और ज़्यादातर नियम लगभग वैसे ही हैं। बदलाव मुख्य रूप से शब्दों, section numbers और forms में है। पर अगर आपने यह बदलाव नहीं समझा, तो आप गलत साल की return भर सकते हैं — और यह सबसे आम गलती बनने वाली है।

इस अध्याय के अंत तक आप तीन बातें पक्की कर लेंगे: (1) आपकी income किस साल की है, (2) उस पर कौन-सा कानून लागू है, और (3) portal पर कौन-सा year चुनना है।

पुराना तरीका: Previous Year और Assessment Year

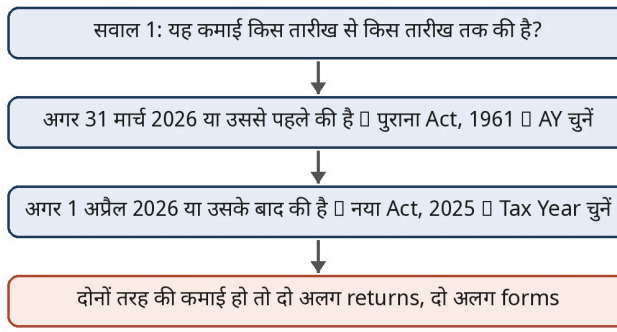
पुराने कानून (Income-tax Act, 1961) में दो शब्द थे। जिस साल आप कमाते थे उसे "Previous Year" या आम बोलचाल में Financial Year (FY) कहते थे। जिस अगले साल में उस कमाई का हिसाब होता था, उसे "Assessment Year (AY)" कहते थे। इसलिए FY 2025–26 (अप्रैल 2025 से मार्च 2026) की income की return "AY 2026–27" के नाम से भरी जाती है। यह दो-साल वाला नाम बहुत लोगों को उलझाता था — लोग सोचते थे कि "2026–27" लिखा है तो इसी साल की कमाई होगी।

नया तरीका: सिर्फ "Tax Year"

नए कानून में यह उलझन हटाई गई है। अब जिस साल आप कमाते हैं, वही "Tax Year" है। 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक की कमाई "Tax Year 2026–27" की कमाई है, और उसकी return भी "Tax Year 2026–27" के नाम से भरी जाएगी। यानी अब कमाई का साल और return का नाम एक ही है।

आपकी कमाई का समय	कौन-सा कानून	Portal पर क्या चुनें	Return कब due
अप्रैल 2024 – मार्च 2025	Income-tax Act, 1961	AY 2025–26	2025 में (बीत चुकी)
अप्रैल 2025 – मार्च 2026	Income-tax Act, 1961	AY 2026–27	31 जुलाई 2026 (non-audit सामान्य case)
अप्रैल 2026 – मार्च 2027	Income-tax Act, 2025	Tax Year 2026–27	31 जुलाई 2027 (non-audit सामान्य case)
अप्रैल 2027 – मार्च 2028	Income-tax Act, 2025	Tax Year 2027–28	2028 में

कौन-सी return भरनी है? — 3 सवाल



चित्र 1.4: कौन-सी return भरनी है? — 3 सवाल

> **सबसे ज़रूरी बात**
>
> AY 2026–27 और Tax Year 2026–27 एक नहीं हैं। Income Tax Department के FAQ के अनुसार ये दो पूरी तरह अलग compliance हैं: AY 2026–27 = FY 2025–26 की income, पुराने forms। Tax Year 2026–27 = FY 2026–27 की income, नए forms, return जुलाई 2027 में due।

यह किताब किस return के लिए है?

यह किताब मुख्य रूप से **Tax Year 2026–27** की return के लिए है, यानी अप्रैल 2026 से मार्च 2027 की कमाई — जो आप 2027 में भरेंगे। इसीलिए नाम है "ITR खुद भरें 2027"। जहाँ जरूरी है, वहाँ पुराने AY 2026–27 का फर्क भी बताया गया है, क्योंकि बहुत लोग 2026 के अंत तक belated या revised return भी भर रहे होंगे।

> **एक बार की साफ़ सूचना**
>
> इस किताब के लिखते समय Tax Year 2026–27 के नए ITR forms (Income-tax Rules, 2026 के तहत) की पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं हुई थी। Department ने कहा है कि ये forms due date से काफ़ी पहले notify होंगे और e-Filing portal पर मिलेंगे। इसलिए form की eligibility और field के नाम इस किताब में पिछले साल के forms के आधार पर हैं। Form आने पर उसकी instructions से एक बार मिलान कर लें। Tax की दरें, rebate, standard deduction और due dates नीचे दिए गए नए कानून से verified हैं।

नए कानून में क्या बदला, क्या नहीं बदला

विषय	पुराना Act, 1961	नया Act, 2025	आप पर असर
साल का नाम	Previous Year / Assessment Year	Tax Year	Portal पर सही year चुनना
नई (default) regime	Section 115BAC	Section 202	दरें वही
Rebate	Section 87A	Section 156	₹12 लाख तक income पर नई regime में tax शून्य (शर्तों के साथ)
Salary standard deduction	Section 16(ia)	Section 19(1)	नई regime ₹75,000, पुरानी ₹50,000
80C जैसी बचत	Section 80C	Section 123 (Schedule XV के साथ)	₹1.5 लाख की सीमा बनी रही
Health insurance	Section 80D	Section 126	शर्तें वैसी
Presumptive business	Section 44AD / 44ADA	Section 58	6% / 8% / 50% वैसे ही
Return भरना	Section 139(1)	Section 263(1)	Due dates वही
Late fee	Section 234F	Section 428	₹1,000 / ₹5,000 वैसे ही
Updated return (ITR-U)	Section 139(8A)	Section 263(6)	48 महीने की खिड़की

आप देखेंगे कि लगभग हर पुराने section का नया नंबर है, पर उसका असर वही है। इसलिए पुराने blog या YouTube video में "80C" सुनकर घबराएँ नहीं — नए कानून में वही चीज़ section 123 के नाम से है। किताब के अंत में पूरी glossary दी गई है।

Worked Example: तीन काल्पनिक लोग, तीन अलग returns

नेहा (salaried): नेहा ने जून 2026 में AY 2026–27 की return भर दी (FY 2025–26 की salary)। अब उसकी अप्रैल 2026 से मार्च 2027 की salary की return Tax Year 2026–27 के नाम से जुलाई 2027 तक भरी जाएगी। दोनों अलग हैं, दोनों जरूरी हैं।

अमित (दुकानदार): अमित की किराने की दुकान है। उसने AY 2026–27 की return अभी तक नहीं भरी। वह 31 दिसंबर 2026 तक belated return (पुराना Act, section 139(4)) late fee के साथ भर सकता है। फिर Tax Year 2026–27 की return अलग से 2027 में।

सरला जी (pensioner): सरला जी 66 वर्ष की हैं, pension और FD ब्याज मिलता है। उनका bank TDS काटता है। उन्हें भी यही समझना है कि 2027 में जो return भरेंगी, वह Tax Year 2026–27 की होगी।

व्यक्ति	2026 में भरी/भरनी return	2027 में भरनी return
नेहा	AY 2026–27 (भर दी)	Tax Year 2026–27
अमित	AY 2026–27 belated (31 दिसंबर 2026 तक)	Tax Year 2026–27
सरला जी	AY 2026–27	Tax Year 2026–27

Return भरना क्यों जरूरी है — tax न भी बनता हो तब भी

बहुत लोग सोचते हैं कि अगर tax शून्य बनता है तो return भरने का कोई फायदा नहीं। यह सोच नुकसानदेह है।

- **Refund:** अगर bank या employer ने TDS काटा है और आपका असल tax कम बनता है, तो पैसा वापस पाने का एकमात्र रास्ता return है।
- **Loan और visa:** Home loan, car loan, business loan और कई देशों के visa के लिए पिछले 2–3 साल की ITR माँगी जाती है।
- **आय का प्रमाण:** Self-employed और दुकानदारों के लिए ITR ही सबसे भरोसेमंद income proof है।
- **Loss carry forward:** कुछ losses अगले साल में ले जाने के लिए समय पर return जरूरी है।
- **Notice से बचाव:** AIS में दिख रहे लेन-देन (जैसे बड़ी FD, शेयर बिक्री) के बावजूद return न भरने पर Department सवाल पूछ सकता है।

Return किसे भरनी ही पड़ती है?

सामान्य नियम: अगर आपकी कुल income (deductions से पहले) basic exemption limit से ज़्यादा है, तो return भरनी है। नई regime में यह सीमा ₹4 लाख है। ध्यान दें — ₹12 लाख तक tax शून्य होने का मतलब यह नहीं कि return की जरूरत नहीं। Rebate तो return में ही claim होता है। मान लीजिए आपकी salary ₹9 लाख है: tax शून्य बनेगा, पर return भरनी होगी क्योंकि income ₹4 लाख से ऊपर है।

इसके अलावा कुछ खास हालात में income कम होने पर भी return जरूरी हो सकती है, जैसे बहुत बड़ी बिजली बिल payment, विदेश यात्रा पर बड़ा खर्च, या बैंक में बड़ी जमा। इन शर्तों की ताज़ा सूची form की instructions में मिलाएँ।

आम गलतियाँ

गलती	नतीजा	सही तरीका
"2026–27" देखकर AY 2026–27 चुन लेना, जबकि कमाई FY 2026–27 की है	गलत साल की return, defective notice	पहले कमाई की तारीखें लिखें, फिर year चुनें
नए कानून का नाम सुनकर मान लेना कि सब बदल गया	बेवजह डर, गलत सलाह पर भरोसा	दरें और due dates वही हैं — सिर्फ नाम/नंबर बदले
पुराने blog के section numbers नए form में ढूँढना	Field नहीं मिलती	Glossary से नया नंबर देखें
Tax शून्य है तो return न भरना	Refund और income proof दोनों गए	₹4 लाख से ऊपर income हो तो return भरें
AY 2026–27 की बची return भूल जाना	Late fee बढ़ती है, बाद में notice	31 दिसंबर 2026 तक belated return भरें

अगर कुछ गलत हो जाए तो?

स्थिति	क्या करें
गलती से गलत year की return submit हो गई	पहले घबराएँ नहीं। सही year की return अलग से भरें। गलत return के लिए portal का "revised return" या helpdesk की मदद लें — CA से एक बार सलाह लें।
पता नहीं कि पिछले साल की return भरी थी या नहीं	Portal पर login → e-File → Income Tax Returns → View Filed Returns
किसी ने कहा "नया कानून है, पुरानी return अब नहीं भर सकते"	गलत है। पुराने साल की return पुराने कानून से ही, तय समय तक भरी जा सकती है

Mini FAQ

प्रश्न: क्या नए कानून में tax बढ़ गया है?

उत्तर: नहीं। नई regime के slab, ₹75,000 standard deduction और ₹12 लाख तक rebate वाली व्यवस्था Tax Year 2026–27 में भी वही है। कानून का ढाँचा और नंबर बदले हैं।

प्रश्न: क्या मुझे दो returns भरनी होंगी?

उत्तर: एक साल में एक ही return भरी जाती है। पर 2026 में आप AY 2026–27 (पिछली कमाई) की return भरेंगे और 2027 में Tax Year 2026–27 की — अलग-अलग साल में, अलग-अलग कमाई के लिए।

प्रश्न: Form 16 पर क्या लिखा होगा?

उत्तर: अप्रैल 2026 से कटे TDS के certificates नए कानून के हिसाब से होंगे और उन पर Tax Year का उल्लेख होगा। Employer से मिलने पर उस पर साल जरूर देखें।

प्रश्न: क्या PAN और login बदलेंगे?

उत्तर: नहीं। वही PAN, वही e-Filing portal (www.incometax.gov.in), वही login। Portal दोनों कानूनों के काम एक साथ संभालेगा।

प्रश्न: पुरानी revised return किस कानून से?

उत्तर: AY 2026–27 या उससे पहले की हर return, revision और updated return पुराने Act, 1961 से ही चलेगी, चाहे आप उसे 2026 के बाद भरें।

प्रश्न: Tax Year 2026–27 की return सबसे जल्दी कब भर सकते हैं?

उत्तर: जब नए forms portal पर आ जाएँ और आपका Form 16 व AIS पूरा दिखने लगे। जल्दबाज़ी में अधूरा data भरने से बचें — आमतौर पर जून–जुलाई अच्छा समय होता है।

Checklist

☐ मैंने अपनी कमाई की तारीखें लिख लीं (कब से कब तक)
☐ मुझे पता है कि मेरी return Tax Year 2026–27 की है या AY 2026–27 की
☐ AY 2026–27 की कोई return बाकी नहीं है (या 31 दिसंबर 2026 तक भर दूँगा)
☐ मैंने समझ लिया कि दरें वही हैं, सिर्फ section numbers बदले हैं
☐ मेरी income ₹4 लाख से ऊपर है तो return भरना तय है, चाहे tax शून्य हो

अध्याय 2: ITR भरने से पहले जरूरी तैयारी

ITR भरने का सबसे आसान तरीका है कि portal पर login करने से पहले अपने जरूरी documents एक जगह तैयार कर लें। इससे income की जानकारी भरते समय गलती होने की संभावना कम होती है और tax records को आपस में मिलाना आसान हो जाता है।

इस अध्याय में आप सीखेंगे कि PAN, Aadhaar, Form 16, bank details, AIS, TIS और Form 26AS क्या हैं, इन्हें कहाँ देखना है और return भरने से पहले किन बातों की जाँच करनी है।

ध्यान रखें: यह किताब Assessment Year 2027–28 के लिए बनाई जा रही है। उस वर्ष के forms, नियमों और portal की सुविधाओं में बदलाव हो सकते हैं। जहाँ किसी जानकारी की पुष्टि जरूरी है, वहाँ [CHECK] दिया गया है।

Step 1: PAN Card तैयार रखें

PAN का पूरा नाम Permanent Account Number है। Income Tax से जुड़े कई कामों में PAN का उपयोग होता है और ITR दाखिल करने के लिए इसकी जानकारी महत्वपूर्ण होती है।

अपना PAN तैयार करते समय ये काम करें:

अपना PAN card या आधिकारिक PAN record खोलें।

PAN पर दर्ज नाम को ध्यान से पढ़ें।

अपनी जन्मतिथि और अन्य व्यक्तिगत विवरण जाँचें।

ITR portal पर उपलब्ध profile की जानकारी से विवरण मिलाएँ।

यदि कोई अंतर मिले, तो return भरने से पहले उसे समझें और जरूरत के अनुसार सुधार करवाएँ।

नाम या जन्मतिथि में अंतर होने पर अनुमान लगाकर जानकारी न भरें। संबंधित आधिकारिक record के अनुसार समस्या का समाधान करें।

Step 2: Aadhaar से जुड़ी जानकारी जाँचें

Aadhaar की जानकारी कुछ tax-related प्रक्रियाओं में उपयोगी हो सकती है। लेकिन Aadhaar से जुड़ी हर आवश्यकता हर व्यक्ति पर एक जैसी लागू नहीं होती।

अपना Aadhaar number और संबंधित record सुरक्षित रूप से उपलब्ध रखें।

PAN और Aadhaar से जुड़े विवरणों की जाँच करें।

यदि portal पर linking या verification से संबंधित कोई समस्या दिखाई दे, तो उसका आधिकारिक निर्देश पढ़ें।

समस्या समझे बिना बार-बार request submit न करें।

Aadhaar या OTP की जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें।

Anoop Gupta Books

End of free sample – buy the full book at onlineebook.in/books/itr-khud-bharein-2027.html

This file is a free sample. The complete ebook is sold at onlineebook.in.